दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 267 ■ दमण, रविवार 12, जुलाई 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण में ड्रग्स नियंत्रण अधिकारियों का हुआ राष्ट्रीय संमेलन

■ पिछले 7-8 सालों में दमण में अद्भुत विकास हुआ है, इसका श्रेय प्रशासक प्रफुल पटेल को जाता हैः दमण ड्रग्स इंस्पेक्टर डॉ. धर्मेश अग्रवाल ■ किसी भी व्यक्ति द्वारा ली जाने वाली दवाईयाँ सुरक्षित, असरदार और गुणवत्तायुक्त होनी चाहिए यह देखने की जिम्मेदारी ड्रग्स कंट्रोलर की हैः जी. कोटेश्वर राव ■ नकली दवाओं के ऑर्गेनाइज्ड कारोबार को जड़ से खत्म करना जरूरी हैः केशव कुमार ■ नशीलें पदार्थो पर नियंत्रण, कॉस्मेटिक और आयुर्वेदिक उत्पादों के नियमन, एआई आधारित स्मार्ट गवर्नेंस और राज्य एवं केन्द्र सरकार के बीच तालमेल जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा ■ भारत सिर्फ फार्मेसी में ही नहीं संशोधन में भी नंबर-1 होना चाहिएः सुदर्शन जैन ■ अधूरी जानकारी और पुराने नियमों का अमल फार्मा कंपनियों के लिए चिंता का विषयः हरीश जैन - एमएसएमई को स्पर्धात्मक बनाने के लिए एकेडमियों और उद्योगों के बीच भागीदारी अनिवार्यः शैलेन्द्र शराफ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 जुलाई। दमण में ड्रग्स नियंत्रण ऑफिसर्स (इंडिया) वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक संमेलन आयोजित किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने दवा नियमन व्यवस्था को ज्यादा असरदार, पारदर्शक और टेक्नोलॉजी आधारित बनाने के लिए विचार प्रस्तुत किए। कॉस्मेटिक्स एवं आयुर्वेदिक उत्पादनों, गुणवत्ता नियंत्रण, लाइसेंसिंग, लेबलिंग, मार्केट सर्विलांस और ग्राहक सुरक्षा के नियमों को ज्यादा असरदार तरीके से लागू करने के लिए प्रस्तुत किया गया। दमण में आयोजित ड्रग्स नियंत्रण ऑफिसर्स (इंडिया) वेलफेयर एसोसिएशन की चौथी वार्षिक संमेलन में देश भर से 400 से ज्यादा ड्रग नियंत्रणरों ने हिस्सा लिया। जिनमें अलग-अलग फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल थे। जहां भ्रामक एवं धोखा देने वाली दवाओं और हेल्थ से जुड़े विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर चर्चा हुई। देश में नारकोटिक्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों के बढ़ते गैर-कानूनी इस्तेमाल और गलत इस्तेमाल पर ज्यादा असरदार नियंत्रण के लिए अलग-अलग रेगुलेटरी एजेंसियों के बीच मजबूत तालमेल बनाने की जरूरतों पर जोर दिया गया। एसोसिएशन के नेशनल प्रेसिडेंट जी. कोटेश्वर राव ने कहा कि ड्रग नियंत्रण की यह जिम्मेदारी है कि वह देखे कि किसी भी नागरिक द्वारा ली जाने वाली दवा सुरक्षित, असरदार और क्वालिटी वाली हो। जैसे-जैसे नई रिसर्च, नए बायोलॉजिकल उत्पादनों, एडवांस्ड मेडिकल डिवाइस, एआई, डिजिटल फार्मेसी, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और पर्सनलाइज्ड दवाओं की वजह से हेल्थकेयर इको-सिस्टम तेजी से बदल रहा है, इसे रेगुलेट करने की चुनौतियाँ भी बढ़ रही हैं। जिसके लिए एसोसिएशन इस ड्रग्स नियंत्रण सिस्टम को मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। इस सेशन में सीबीआई के रिटायर्ड एडिशनल डायरेक्टर केशव कुमार ने कहा कि नकली दवाओं के ऑर्गेनाइज्ड कारोबार को जड़ से खत्म करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जाँच तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। नकली दवाओं के धंधे में सप्लाई चेन शामिल होने से जांच सिर्फ नकली दवाओं को पकड़ने तक सीमित रहने के बजाय मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तक नहीं पहुँचती है तो लड़ाई अधूरी मानी जाएगी। हाल ही में देश में नकली दवाओं के दो बड़े मामले सामने आए, जिनके कनेक्शन पुडुचेरी की फैक्ट्री के साथ जुड़े थे, जिसका वार्षिक टर्नओवर 200 करोड रुपये था। इस काले कारोबार की वित्तिय हेराफेरी और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट, जीएसटी और सीबीआई ने मिलकर जांच करने पर जोर दिया। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस के जनरल सेक्रेटरी सुदर्शन जैन ने कहा कि जब तक स्वस्थ भारत नहीं होगा, तब तक विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। जिसके लिए सख्त नियम की जरूरत है। फार्मा इंडस्ट्रीज अपनी इनकम का 31 प्रतिशत रिसर्च और डेवलपमेंट पर खर्च करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अभी 200 से ज्यादा देशों को दवाएं एक्सपोर्ट करके नंबर वन है, लेकिन रिसर्च में भी नंबर वन होना जरूरी है। फेडरेशन ऑफ फार्मा एन्थ्रोपीनियर के प्रेसिडेंट हरीश जैन ने कहा कि देश में नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एनएसक्यू) दवाओं का प्रमाण 3 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करना एक नेशनल प्रोजेक्ट है। जो प्रोडक्ट एनएसक्यू होगा, उसके लिए सबसे अच्छा फॉर्मूलेशन दिया जाएगा। हालांकि, अधूरी जानकारी और पुराने नियमों का लागू होना फार्मा कंपनियों के लिए एक रुकावट बन जाता है। जिसकी वजह से छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों को एक्सपोर्ट एनओसी में काफी मुश्किल हो रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डायरेक्टर प्रोफेसर शैलेंद्र शराफ ने कहा कि यूनिवर्सिटियों एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट में विकसीत हुई नई टेक्नोलॉजी, रिसर्च और नए आइडिया को एमएसएमई तक पहुंचाकर उत्पादन की गुणवत्ता, नवीनता और निकास क्षमता में उल्लेखनीय बढोत्तरी हो सकती है। इसके लिए एकेडेमिया और इंडस्ट्री के बीच एक मजबूत भागीदारी अनिवार्य है। दमण ड्रग्स इंस्पेक्टर डॉ. धर्मेश अग्रवाल ने कार्यक्रम के दौरान धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि दमण एक छोटा सा यूनियन टेरेटरी है। हम यहां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं यह सभी के लिए गर्व की बात है। पिछले 7-8 सालों में इस प्रदेश का अद्भुत विकास हुआ है। यहां से नेशनल लेवल की फ्लाइट दिल्ली टू दमण और दमण और अहमदाबाद शुरु होने जा रही है। यहां हुए विकास को आप सभी ने देखा होगा। जो यहां 5 साल पहले आए थे तब का दमण और अब का दमण में इतना अंतर है इसका अंदाजा यहां हुए विकास को लेकर लगा सकते हैं। धर्मेश अग्रवाल ने कहा कि नया भारत की तरह ही हमारा नया दमण है। यह सब माननीय प्रशासक प्रफुल पटेल की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व में हुआ है। इसके लिए मैं प्रशासक प्रफुल पटेल का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने बताया कि पिछला सम्मेलन हैदराबाद में हुआ था तब मैंने नेशनल अध्यक्ष से दमण में सम्मेलन आयोजित करने की मंशा जाहिर की थी। अध्यक्ष महोदय ने हमारी राय को प्राथमिकता देते हुए दमण में कांफ्रेंस करने की मंजूरी दी। जिसके बाद हमने दमण में नेशनल सम्मेलन आयोजित किया है। इसके लिए अध्यक्ष महोदय का भी धन्यवाद देता हूं। इस कार्यक्रम में संघ प्रदेश थ्रीडी के स्वास्थ्य सचिव ए. गोपी कृष्णा, दमण एसपी केतन बंसल सहित 400 से ज्यादा ड्रग्स अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

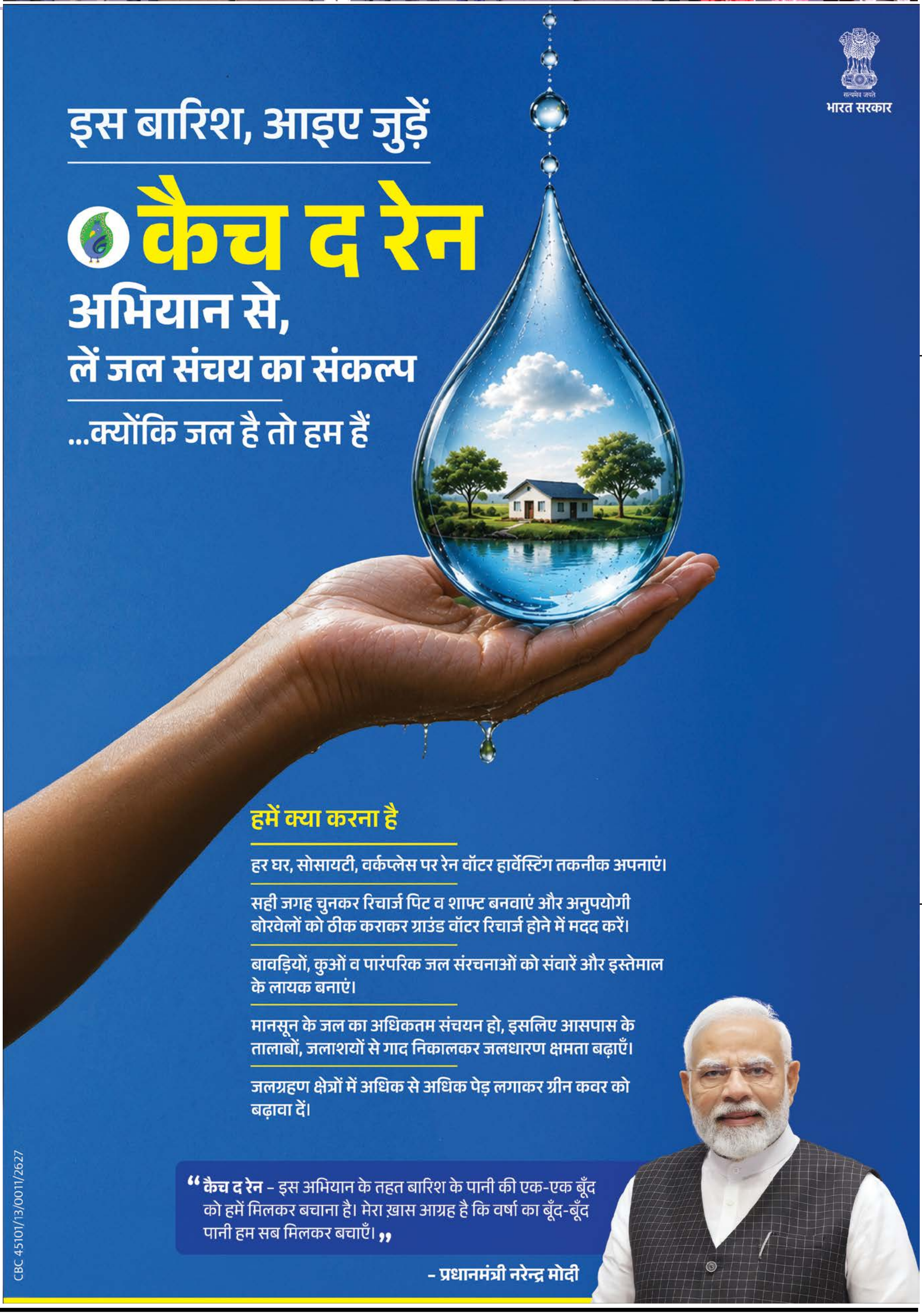

असली आज़ादी

ममता के लिए बड़ा झटका : करीबी नेता बागी गुट में शामिल होने को तैयार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चल रही उथल-पुथल के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अकेली होती दिख रही हैं। उनके बेहद करीबी और बीरभूम के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल, अब रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल होने को तैयार हैं। शुक्रवार को बागी गुट के विधायकों ने स्वयं इसके स्पष्ट संकेत दिए हैं। निजी होटल में आयोजित बागी गुट की राष्ट्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन, रितब्रत बनर्जी ने दावा किया कि 4 मई के बाद से उनकी अनुब्रत मंडल से करीब 30 बार बात हो चुकी है। वहीं, एक अन्य बागी विधायक अक्रूज्जमान ने कहा, बस एक दिन और इंतजार कीजिए, सब कुछ साफ हो जाएगा। हालांकि, इस बारे में पूछे जाने पर मंडल ने जवाब देने से इंकार किया। ममता बनर्जी के पुराने और भरोसेमंद सहयोगी रहे मंडल 4 मई को आए चुनावी नतीजों के बाद से ही अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। उनकी खामोशी के बीच, बीरभूम के कई प्रमुख विधायक, जिनमें पूर्व मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और काजल शेख जैसे बड़े नाम शामिल हैं, पहले ही पाला बदलकर बागी गुट में शामिल हो चुके हैं। कथित गौ-तस्करी मामले में 25 महीने जेल में बिताने और सितंबर 2024 में जमानत पर रिहा होने के बाद, मंडल के शनिवार को आधिकारिक तौर पर रितब्रत कैंप का हिस्सा बनने और उन्हें जिला अध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने की उम्मीद है। इन सियासी हलचलों के बीच, बागी गुट तृणमूल पार्टी के नाम और उसके चुनाव चिह्न (सिंबल) पर अपना दावा ठोकने की पूरी तैयारी कर रहा है। इसके लिए चुनाव आयोग को भेजे जाने वाले जवाब का मसौदा तैयार किया जा रहा है, जो ममता बनर्जी के लिए एक और बड़ा सिरदर्द साबित हो सकता है।

जूनागढ़ में दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

जूनागढ (एजेंसी)। गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा माजेवाड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का एक परिवार अपने रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। पुलिस के अनुसार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को वाहन से बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी अन्य तकनीकी कारण से हुई। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे परिवार में शोक का माहौल है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर शिवसेना नागपुर में करेगी आंदोलन

मुंबई (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। पार्टी सांसद संजय राउत ने कहा कि मुंबई के बाद अब इस मुद्दे पर 18 जुलाई को नागपुर में बड़ा आंदोलन आयोजित किया जाएगा। संजय राउत ने मीडिया को बताया कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) के अन्य वरिष्ठ नेता नागपुर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और इन्हीं मुद्दों को लेकर पार्टी जनता के बीच आवाज उठाएगी। राउत ने कहा कि मुंबई में आंदोलन शुरू करने के बाद अब उसका दूसरा चरण नागपुर में होगा। उनके अनुसार पार्टी का उद्देश्य कथित वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ जनमत तैयार करना और मामले में पारदर्शी जांच की मांग करना है। शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। पार्टी ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। 18 जुलाई के प्रस्तावित आंदोलन को लेकर पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शिवकुमार सिर्फ घूम रहे उनका ध्यान किसानों की समस्याओं पर नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलुरु(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर राज्य के जल और सिंचाई संबंधी मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रगति समीक्षा और एसआईआर के नाम पर राज्यभर के दौरे तो कर रहे हैं, लेकिन किसानों और सूखा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शुक्रवार को कुमारस्वामी ने कहा, कि मुख्यमंत्री के हालिया कलबुर्गी, बीदर और बेलगावी दौरों का किसानों, खेतिहर मजदूरों और सूखे से प्रभावित परिवारों को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। उनका आरोप था कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनहित के बजाय राजनीतिक गतिविधियां अधिक दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कृष्णा-गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ो परियोजना पर मुख्यमंत्री के बयान की भी आलोचना की। कुमारस्वामी ने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री की टिप्पणियां राज्य के जल हितों और सिंचाई व्यवस्था की पर्याप्त समझ के अभाव को दर्शाती हैं। उनका कहना था कि राज्य सरकार को जल संसाधनों के संरक्षण और किसानों की सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं पर अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मैं न गांधी हूं, न कोई हीरो, अपने जीवन के नायक खुद बनें: सोनम वांगचुक

20 जुलाई को संसद तक होने वाले मार्च में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से अपील की है कि वे उन्हें आधुनिक गांधी या हीरो कहना बंद करें, क्योंकि वह बस एक आम नागरिक हैं। उन्होंने लोगों को किसी और को अपना लीडर मानने के बजाय अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनने के लिए प्रेरित किया। जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शनिवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गई, जबकि सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 22वें दिन में है।

पार्टी की ओर से जारी स्वास्थ्य अपडेट के मुताबिक, उपवास शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन 7.5 किलोग्राम कम हो गया है और उनका ब्लडप्रेशर 106/74 दर्ज किया गया है। एक वीडियो में वांगचुक ने कहा कि उन्हें पिछले दिन की तुलना में कम ऊर्जा महसूस हो रही है, लेकिन वे आंदोलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

वांगचुक ने आंदोलन का समर्थन करने के लिए लोगों का शुक्रिया अदा कर बताया कि दो तरह की टिप्पणियों ने उन्हें असहज कर दिया है। उन्होंने कहा, बहुत से लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कहते हैं। कुछ लोग मुझे हीरो कहते हैं। ऐसी बातें सुनकर मुझे असहज महसूस होता है। मैं न गांधी हूं और न ही कोई हीरो। मैं बस एक आम नागरिक हूं जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी और में हीरो की तलाश करने के बजाय एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनें।

परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की वजह से छात्रों की आत्महत्याओं का जिक्र कर वांगचुक ने लोगों से आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर आप रोज यहां नहीं आ सकते, तब कम से कम एक दिन जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़ें। यदि आप दिल्ली नहीं आ सकते, तब आप जहां भी हैं, वहीं उपवास रखें और अपना संदेश साझा करें। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को संसद तक होने वाले प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की अपनी अपील दोहरा दी। उन्होंने कहा कि लोगों को भूखा रहने की जरूरत नहीं है, वे खाना खाकर आएं, लेकिन एक नागरिक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएं और हमारे साथ जुड़ें।

वांगचुक ने यह भी कहा कि उपवास के शुरुआती दिनों के बाद उनकी भूख स्थिर हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें विरोध स्थल से हटाने की कोई भी कोशिश शांतिपूर्ण विरोध करने के उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होगी, क्योंकि वे अपनी मर्जी से यहां हैं और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

के इस्तीफे और उन छात्रों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग कर रहा है जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षा में गड़बड़ियों के कारण आत्महत्या कर ली। सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 20 जून को शुरू हुआ था जबकि सोनम वांगचुक 28 जून को इस आंदोलन में शामिल हुए और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

रेप-मर्डर के आरोपी की भीड़ द्वारा हत्या माव लिंचिंग नहीं : सीएम सुवेंदु

-विपक्ष के नेता ने घटना के पीछे साजिश का जताया संदेह, पुलिस हिंसा और उकसावे के आरोपों की जांच में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में 12 वर्षीय बालिका से कथित दुष्कर्म और हत्या के आरोपी 26 वर्षीय इंद्रजीत मंडल की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, कि वह इस घटना को लिंचिंग नहीं मानते। उनका दावा है कि भीड़ ने पहले आरोपी की पहचान की और उसके बाद उस पर हमला किया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बालिका के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना से क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था। इसी दौरान भीड़ ने इंद्रजीत मंडल की पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और हिंसा फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात करना पड़ा। पत्रकारों से बातचीत में सीएम अधिकारी ने कहा, कि आरोपी की हत्या

सुनियोजित तरीके से कराई गई और इसके पीछे पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस उन लोगों की पहचान कर रही है, जो घटनास्थल पर मौजूद थे, साथ ही उन लोगों की भी जांच की जा रही है, जिन पर दूर से हिंसा भड़काने का संदेह है। सीएम ने दावा किया, कि इस अशांति को ऐसे लोगों ने हवा दी, जिन्हें राजनीतिक रूप से नकार दिया गया है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कट्टरपंथी या अतिवामपंथी तत्व भी इस घटनाक्रम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' हो सकता है लागू

-जेपीसी के अध्यक्ष बोले- 99फीसदी लोगों और संगठनों ने किया इसका समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक अब तक चर्चा में शामिल करीब 99फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के सीएम और कैबिनेट मंत्रियों समेत कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां सीएम, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और कई विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी।

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े पांच सवाल हैं जिनमें लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना। जिन राज्यों का कार्यकाल 2029 के बाद भी बचा होगा, उनका क्या होगा? संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। जिनका कार्यकाल 2029 से पहले खत्म हो रहा होगा, उनका क्या होगा? वहां कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लग सकता है या फिर केवल 2029 तक के लिए चुनाव संभव। कई अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत और आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। अगर बीच में ही कोई सरकार गिर जाए, तो क्या नियम प्रस्तावित हैं? इस नए प्रस्ताव के तहत मध्यावधि चुनाव पूरे पांच साल के लिए नहीं कराए जाएंगे, बल्कि केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराए जाएंगे, ताकि अगला मुख्य चक्र न बिगड़े।

विधायकों के लिए एआई प्रशिक्षण की आवश्यकता: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

गयाजी(एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गया में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जवाबदेही पर निर्भर होती है। उन्होंने विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय प्रक्रियाओं का अधिकतम उपयोग कर जन समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री चौधरी ने बदलते तकनीकी दौर का उल्लेख करते हुए बिहार विधानसभा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (बिपार्ड) में उन्होंने कहा कि विधायकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण और कटौती प्रस्ताव जैसे संसदीय उपकरणों को लोकतंत्र में जनता की आवाज को मजबूती देने के प्रभावी माध्यम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने स्मरण कराया कि करीब 20 वर्ष पहले लोग फेसबुक जैसी तकनीकों से परिचित नहीं थे, लेकिन आज मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया हर घर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में डिजिटल तकनीक के व्यापक विस्तार की सराहना की, जिसने शासन व्यवस्था और आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में तकनीक का प्रभाव और बढ़ेगा, इसलिए जनप्रतिनिधियों को भी इसके अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

सीएम चौधरी ने कहा कि अब दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है। इसके बाद बिहार विधानसभा में भी एआई पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित होना चाहिए, ताकि विधायक इस नई तकनीक की उपयोगिता को समझ सकें और इसका लाभ शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में मिल सके। उन्होंने दोहराया कि बिहार सरकार उद्योग, सुशासन और निवेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कलंक: नृपेंद्र मिश्रा; राजनीतिक घमासान जारी

-सपा और विहिप के बीच पोस्टर वॉर

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के हालिया मामले पर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने गहरा दुख जताकर एक कलंक बताया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि इस घटना से सभी को खेद है और वे खुद को छोटा महसूस कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि व्यवस्था में सुधार होगा और ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी।

मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष संभवतः एक जज है। यह समिति अपनी सिफारिशें ट्रस्ट को सौंपेगी, जिस पर आगे विचार किया जाएगा। वे रामकथा संग्रहालय में निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक में भाग लेने पहुंचे थे।

इस बीच, मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के नेता उपेंद्र दत्त शुक्ला ने पोस्टर लगवाए हैं, जिन पर लिखा है-राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना और रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, चोर करेगा मंदिर में चोरी, चौकीदार देखता रह जाएगा।

इसके बाद जवाब में, रायबरेली में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री राहुल सिंह ने सपा पर पलटवार कर पोस्टर लगाए। इन पर प्रश्न उठाया गया-राम मंदिर के चंदे पर सवाल, आतंकवाद के चंदे पर खामोशी? साथ ही यह भी लिखा था कि प्रभु राम हमारी आस्था हैं, राजनीति का हथियार नहीं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी

ने घटना पर अफसोस जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन लोगों ने ऐसा कृत्य किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और वे जितना ले गए हैं, उससे कहीं ज्यादा चुकाएंगे।

शरद पवार ने की महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में बदलाव की तारीफ

-एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों को अफवाह बताया

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी(एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने सीएम फडणवीस को धन्यवाद भी कहा। शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी चल रही हैं। हालांकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन्हें अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक शरद पवार की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के पक्ष में नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को

मुंबई में विधानभवन में बैठक हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज के दामों में गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी। हालांकि, योजना में शुरू में कुछ ऐसी शर्तें रखी गई थीं, जिनसे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ नहीं मिल पाता।

उन्होंने कहा कि पहले 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमाफी योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए अधिकतम 50 हजार रुपए तक की ही राहत का प्रावधान था। इसके अलावा, नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए 2025-26 और 2026-27 के फसल ऋण का भुगतान करना अनिवार्य किया गया था। शरद पवार ने कहा कि इन दोनों शर्तों के कारण लाखों किसान योजना के दायरे से बाहर हो जाते हैं। उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस सरकार का इन शर्तों को वापस लेने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह फैसला राज्य के किसानों की भावनाओं के अनुरूप है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना 10 जून 1999 को शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने की थी। तीनों नेताओं ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाते हुए पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे। कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद तीनों ने एनसीपी का गठन किया।

भाजपा ने बदला उम्मीदवार, रोहिणी का तीखा तंज... अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रहे

पटना(एजेंसी)। पटना में बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है, जहां नामांकन के अगले ही दिन अपना उम्मीदवार बदल दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई सीट के लिए पहले घोषित प्रत्याशी अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने की घोषणा की है, इसके बाद पार्टी ने नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। इस अप्रत्याशित बदलाव पर राजद नेता और पूर्व सीएम लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाजपा पर तीखा तंज कसते हुए पूछा है कि, जो पार्टी नामांकन खत्म होने के तीन दिन पहले तक अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रही, वह क्षेत्र का भविष्य क्या खाक तय करेगी?

अभिषेक सिन्हा ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है, और उन्होंने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष को लिखे पत्र में कार्यकर्ता के तौर पर सेवा करने की बात कही है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और शिक्षा से संबंधित जानकारी में कथित गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदला है। पार्टी को आशंका थी कि इन अनियमितताओं के कारण अभिषेक का नामांकन रद्द हो सकता था। वहीं रोहिणी आचार्य ने अंतिम वक्त का बदलाव नहीं, बल्कि चुनावी डर का सबसे बड़ा सबूत बताकर कहा कि यह दिखाता है कि बीजेपी को ये आभास हो गया है कि बांकीपुर में जमीन खिसकने वाली है। इस घटनाक्रम को जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर (पीके) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे विपक्षी दल चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बना सकते हैं। बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा और मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित है। नए उम्मीदवार सिन्हा 20 साल से भाजपा से जुड़े हैं और नवीन के करीबी हैं। वह फिलहाल मंडल अध्यक्ष हैं। अभिषेक सिन्हा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया था। गुरुवार को ही राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने भी अपना नॉमिनेशन भरा था। नामांकन की प्रक्रिया 13 जुलाई तक चलेगी, और नए भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा के साथ-साथ प्रशांत किशोर भी नामांकन के आखिरी दिन अपना पर्चा भरने वाले है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने सिन्हा के परिवारिक कारणों से नाम वापसी और नीरज सिन्हा को नया प्रत्याशी बनाए जाने की पुष्टि की है।

गिरफ्तारी के आधार पर पद छीनना लोकतंत्र के लिए खतरनाक

-30 दिन न्यायिक हिरासत पर पद से हटाने वाले प्रस्तावित प्रावधान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उठाए सवाल

-संविधान संशोधन विधेयक अभी संयुक्त संसदीय समिति के विचाराधीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने पर पद से हटाने के प्रस्तावित संवैधानिक प्रावधान का विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि केवल गिरफ्तारी के आधार पर किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को पद से हटाने का प्रावधान लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए मसूद ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति को अदालत दोषी नहीं ठहराती, तब तक केवल गिरफ्तारी के आधार पर उसे पद से हटाना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाए और इसी आधार पर उसका पद समाप्त हो जाए, तो कानून और न्यायिक प्रक्रिया का महत्व क्या रह जाएगा।

कांग्रेस सांसद ने यह भी पूछा कि क्या ऐसे प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को भी इसी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे कदम अत्यंत सावधानी से उठाए जाने चाहिए और तब तक नहीं अपनाए जाने चाहिए, जब तक सभी अन्य संवैधानिक विकल्प समाप्त न हो जाएं।

गौरतलब है कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया था। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार यदि प्रधानमंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र अथवा राज्य सरकार के किसी मंत्री को किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया जाता है और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन उसे स्वतः पद से हटाने का प्रावधान होगा। वर्तमान में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत किसी जनप्रतिनिधि की अयोग्यता सामान्यतः अदालत द्वारा दोषसिद्धि के बाद लागू होती है। सरकार का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य गिरफ्तारी और दोषसिद्धि के बीच की अवधि के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाना, जेल से शासन चलाने जैसी परिस्थितियों को रोकना तथा संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखना है। यह विधेयक फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचाराधीन है और अभी कानून नहीं बना है। भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे राजनीति के अपराधीकरण पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने की दिशा में आवश्यक सुधार बताया है। वहीं विपक्ष के कुछ नेताओं ने इसके संभावित दुरुपयोग की आशंका जताई है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का किया लोकार्पण

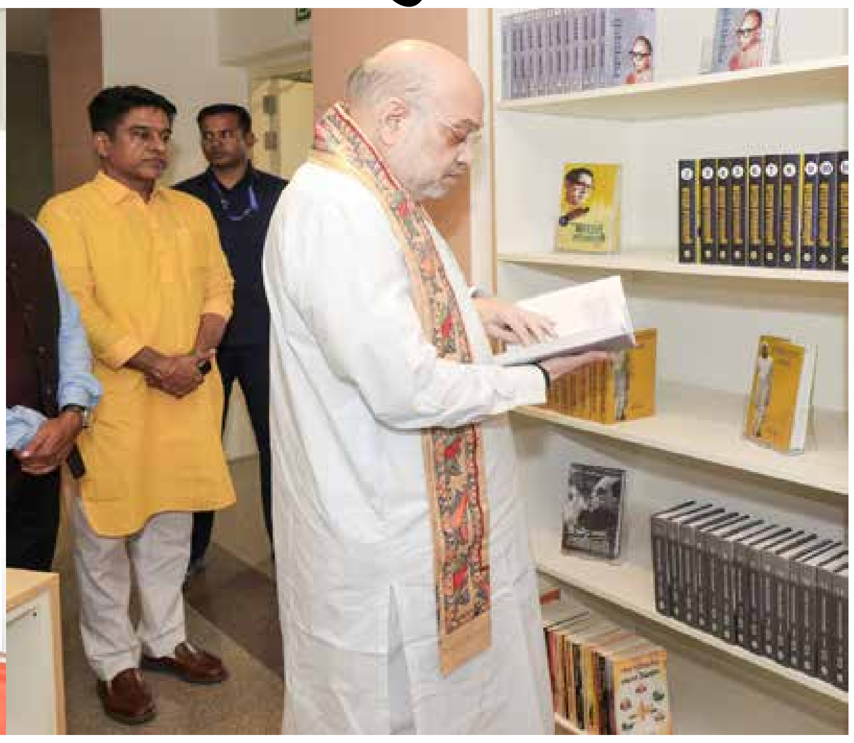

■ लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगाःअमीत शाह ■ किसी देश का भविष्य कृषि, बाज़ार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है ■ राष्ट्र निर्माण और उसे वैभव दिलाने वाली हर गतिविधि का मूल है ज्ञान और विवेक, और यह केवल पुस्तकालय ही दे सकता हैःअमीत शाह ■ बोलने से पहले सोचना चाहिए, और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए, यह संस्कार केवल पुस्तकालय ही दे सकता है ■ गृह मंत्री जी ने युवाओं से आह्वान किया कि-एक बार पुस्तकालय से जुड़िए, पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा ■ निःशुल्क 1 करोड़ ई-बुक्स से युक्त यह पुस्तकालय, सुनी-सुनाई बातों के बजाय अपनी रुचि के विषयों को गहराई से पढ़ने का अवसर देगा ■ दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में और स्कूलों के साथ जोड़ें, इससे ग्रंथागार और अधिक समृद्ध होंगेःअमीत शाह

पीआईबी दिल्ली, 11 जुलाई। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) के अध्यक्ष केशव चंद्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाज़ार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है।

अमित शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। गृह मंत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के माध्यम से कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि "बोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते।" उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है।

अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय का उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गाँव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3-4 हजार पुस्तकें हैं। इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मँगवाने का अनुरोध करते हैं, और हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है। गृह मंत्री ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय के कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे नई दिल्ली के आसपास के 10 विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों से संपर्क कर युवाओं को पुस्तकालय से जोड़ें और उन्हें यहाँ आने के लिए प्रेरित करें। एक बार जब युवा पढ़ने की आदत बना लेंगे, तो वह स्वयं आगे बढ़ेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान सागर में गोता लगाने का साहस देता है और सागर के नीचे पड़े मोतियों व रत्नों को चुनकर ऊपर लाने की प्रेरणा भी देता है। ज्ञान सागर के गोते से निकले ये मोती और रत्न ही व्यक्तित्व को निखारते हैं, देश को आगे बढ़ाते हैं, देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाते हैं, देश को संस्कारित, शिक्षित और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' जी को पढ़े बिना इस देश की आत्मा, संस्कृति, स्वाभिमान और संघर्ष को नहीं जाना जा सकता, और पुस्तकालय इसमें सबसे मज़बूत ज़रिया बन सकता है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय भवन में 30,000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। यहां रिसर्च करने वालों के लिए अलग व्यवस्था है, बहुउद्देशीय आधुनिक सभागार है, आधुनिक रीडिंग एरिया है, किड्स जोन है, रिसर्च सेंटर है और ई-लाइब्रेरी है, जिसमें 1 करोड़ पुस्तकें ऑनलाइन पढ़ी जा सकती हैं। वाई-फाई फ्री है। कई मॉनिटर लगाए गए हैं, जहां पुस्तकालय में अध्ययन के लिए आने वाले लोग नोट्स ले सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और अपनी विचार प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ आरएफआईडी आधारित अत्याधुनिक पुस्तक प्रबंधन प्रणाली लागू है। ओपेक कैटलॉग के माध्यम से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया से भी जुड़ाव होगा। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में युवा अपनी रुचि के विषय चुनें और उन महानुभावों को पढ़ें, जिन्होंने अपना पूरा जीवन उन विषयों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय में 1 करोड़ ई-बुक्स उपलब्ध हैं। यह दिल्ली के युवाओं के लिए बहुत बड़ा अवसर है कि उन्हें मुफ़्त में 1 करोड़ ई-बुक्स और 32,000 भौतिक पुस्तकों का एक्सेस होगा।

अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण (जेपी) एक ऐसे विचारक और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने जीवन में अनेक विचारधाराओं को अपनाया और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास किया। वे भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख सेनानी थे। आजादी के बाद उन्होंने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। समाजवाद अपनाया, समाजवादी कांग्रेस बनाई, विनोबा भावे के भूदान आंदोलन और सर्वोदय विचारधारा को गांव-गांव तक फैलाया। चंबल क्षेत्र में 250 से अधिक डाकुओं को सरेंडर कराया और चार राज्यों के 22 जिलों में डकैती की समस्या समाप्त की। अमीत शाह ने कहा कि इमरजेंसी के समय जेपी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री का डटकर विरोध किया, बिहार-गुजरात में छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया और 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान दिया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान जेपी, अटल जी, अडवाणी जी सहित हजारों नेताओं को जेल में डाला गया। तब दिनकर जी का नारा "अंधेरे में एक प्रकाश, जयप्रकाश" पूरे देश में गूंजा। 1977 के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री रायबरेली से हारीं और पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि जेपी ने पूरी जिंदगी लोकतंत्र की रक्षा की।

गृह मंत्री ने दिल्ली के सभी किशोरों और युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान की पिपासा तृप्त करने के माध्यम के रूप में शुरू किए गए जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे पुस्तकालय का लाभ उठाकर अपने जीवन को निखारें और देश को वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।

दीव में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 जुलाई। दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव के नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज नियंत्रण प्रोग्राम विभाग द्वारा दीव के संमेलन हॉल में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में वेक्टर ब्रीडिंग चेकर्स, ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइव्स (एएनएम), आशा कार्यकर्ता, पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप सोनोने ने की। डॉ. प्रताप सोनोने ने कहा कि वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम में निवारक उपाय सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन उपायों को जमीनी स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्रभावी ढंग से लागू करने से ही रोगों पर नियंत्रण संभव है। उन्होंने दीव में वेक्टर जनित रोगों के मामलों में आई कमी को क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम बताया। प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम के सलाहकार विशाल धामेलीया ने वेक्टर ब्रीडिंग की पहचान, लार्वा सर्वेक्षण, लार्वा नियंत्रण, बुखार के मामलों का सर्वे, स्वच्छता एवं सैनिटेशन, गूगल फॉर्म के माध्यम से रिपोर्टिंग तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों एवं वेक्टर ब्रीडिंग चेकर्स द्वारा फील्ड में आने वाली चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। मलेरिया की जांच के लिए ब्लड स्मीयर स्लाइड तैयार करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया पर दीव के लैब टेक्नीशियन हेमल बामनिया ने व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज नियंत्रण प्रोग्राम के स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. गणेश वर्नेकर के मार्गदर्शन में सलाहकार विशाल धामेलीया ने प्रतिभागियों को दीव के विभिन्न क्षेत्रों में फील्ड विजिट के दौरान व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। इस दौरान लार्वा सर्वेक्षण की तकनीक, गैंबूसिया मछलियों का छोड़ा जाना, कीटनाशकों का छिड़काव तथा अन्य नियंत्रण उपायों का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ बनाना रहा तथा वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना रहा।

बाढ़ प्रभावितों के लिए वराछा को-ऑपरेटिव बैंक का बड़ा सहारा

सुरतः9% ब्याज पर रु. 5 लाख तक की 'फ्लड लोन' और नई बाढ़ बीमा योजना लॉन्चः हर्ष संघवी ने किया शुभारंभ

सरकार 72 घंटे में नुकसान का सर्वे पूरा कर राहत पैकेज लाने की तैयारी में, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को मिलेगा बड़ा संबल

सूरत (ईएमएस)। हाल ही में सूरत में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण शहर के अनेक क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से कई औद्योगिक क्षेत्रों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा रिहायशी इलाकों को भारी नुकसान हुआ। उद्योग-धंधे ठप हो गए और हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई। ऐसे कठिन समय में सूरत की दि वराछा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने बाढ़ प्रभावित नागरिकों और व्यापारियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मात्र 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर रु. 5 लाख तक की 'फ्लड लोन' योजना तथा बाढ़ एवं जलभराव से होने वाले नुकसान से सुरक्षा देने वाली नई सामान्य बीमा (जनरल इंश्योरेंस) योजना की शुरुआत की। इन दोनों योजनाओं का शुभारंभ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के हाथों वराछा बैंक के मुख्य कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि हालिया प्राकृतिक आपदा के दौरान सूरतवासियों ने जिस साहस, एकजुटता और एक-दूसरे की सहायता करने की भावना का परिचय दिया है, वह पूरे राज्य के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में समाज और सरकार ने मिलकर राहत कार्यों को गति दी है तथा अब प्रभावित लोगों को आर्थिक रूप से फिर से खड़ा करना प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ से हुए नुकसान का वास्तविक आकलन करने के लिए 72 घंटे के भीतर सर्वे पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसमें अब तक लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। छोटे-बड़े उद्योगों, दुकानों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन तैयार किया जा रहा है। इसी रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार शीघ्र ही व्यापक राहत पैकेज की घोषणा करेगी। हर्ष संघवी ने कहा कि सूरत की मिट्टी में हर संकट का डटकर मुकाबला करने और सकारात्मक सोच के साथ पुनः खड़े होने की अद्भुत क्षमता है। राज्य सरकार, स्थानीय सामाजिक संस्थाओं तथा नागरिकों के सहयोग से सूरत को जल्द ही सामान्य स्थिति में लाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने वराछा को-ऑपरेटिव बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बैंक ने आपदा के समय वराछा बैंक आपके साथ की अपनी भावना को वास्तविक रूप देकर सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। बाढ़ प्रभावित नागरिकों और व्यापारियों के लिए मात्र 9 प्रतिशत ब्याज पर 5 लाख तक की फ्लड लोन उपलब्ध कराने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्य स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया ने भी वराछा बैंक की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस निर्णय से विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और लघु उद्यमियों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा वे शीघ्र अपने व्यवसाय को पुनः प्रारंभ कर सकेंगे। इस अवसर पर विधायक प्रवीण घोघारी, बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र काकड़िया, विठ्ठल धानाणी सहित अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विधायक कांति बलर, अग्रणी जयंती एकलेरा, मनहर साचपरा, मुकेश पटेल तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित नागरिकों एवं व्यापारियों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए वराछा को-ऑपरेटिव बैंक ने आकर्षक शर्तों के साथ फ्लड लोन योजना लागू की है।

आपदा प्रभावित लोगों को रु. 5 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ऋण पर सिर्फ 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लिया जाएगा। ऋण चुकाने के लिए 60 माह (5 वर्ष) की लंबी अवधि प्रदान की जाएगी।

आवेदन प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने के लिए बैंक के मुख्य कार्यालय में विशेष समर्पित सहायता केंद्र (डेडिकेटेड स्पेस) बनाया गया है, जहां आवेदकों को तत्काल मार्गदर्शन तथा शीघ्र ऋण स्वीकृति की सुविधा मिलेगी।

भविष्य में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से व्यापारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वराछा बैंक ने एक विशेष जनरल इंश्योरेंस योजना भी शुरू की है।

इस योजना के तहत मात्र रु. 1,000 के वार्षिक प्रीमियम पर रु. 10 लाख तक के माल एवं स्टॉक का बीमा कराया जा सकेगा।

यदि भविष्य में बाढ़ अथवा जलभराव के कारण व्यापारियों के माल, गोदाम या संपत्ति को नुकसान पहुंचता है, तो बीमाधारकों को आर्थिक क्षति की भरपाई कर व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जाएगी। बैंक का मानना है कि यह योजना व्यापारियों को प्राकृतिक आपदाओं के समय आर्थिक रूप से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

149वीं जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियां पूरी, मुख्यमंत्री ने गुजरात की 230 रथयात्राओं हेतु दिए सुरक्षा के विशेष निर्देश

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर में परंपरागत रूप से आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथजी की 149वीं रथयात्रा, जो 16 जुलाई (आषाढ़ी बीज) को निकाली जाएगी, की तैयारियों की गांधीनगर में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अहमदाबाद शहर में निकलने वाली मुख्य रथयात्रा के साथ-साथ छह मिनी रथयात्राओं एवं राज्यभर के विभिन्न शहरों और कस्बों में आयोजित होने वाली लगभग 230 रथयात्राओं को पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं को बिना किसी व्यवधान के भगवान जगन्नाथजी के दर्शन करने का अवसर मिले तथा कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ लागू की जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद नगर निगम के आयुक्त को रथयात्रा मार्ग पर स्थित जर्जर इमारतों और मकानों के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ एकत्र न होने देने के लिए विशेष प्रबंध करने के निर्देश भी दिए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगी हरित रेल क्रांति का आगाज

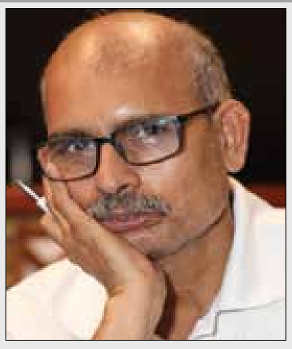

विनोद कुमार सिंह

हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद- सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली-जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन, सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।

हरियाणा के जींद-दिल्ली रेलखंड से स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर तकनीक और विकसित भारत की तेज रफ्तार दोड़ने को है तैयार...

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है।लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है।वंदे भारत, अमृत भारत,समर्पित माल गलियारे,'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित,आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भारतीय रेल की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ अगले सप्ताह प्रस्तावित है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा से इसे हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित कर सकते हैं।यद्यपि कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी शेष है, लेकिन सफल परीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय रेल हरित ऊर्जा आधारित परिवहन के नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है।यह केवल एक नई ट्रेन का शुभारंभ नहीं होगा,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय का उद्घोष भी होगा।आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती से जूझ रही है।परिवहन क्षेत्र को प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों में माना जाता है।ऐसे समय में स्वच्छ ऊर्जा आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं,बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता भी बन चुकी है।भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है।इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।यही कारण है कि रेलवे अब पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रही है।भारतीय रेल का नेटवर्क लगभग 68,500 रूट किलोमीटर में फैला हुआ है।प्रतिदिन लगभग 2.3 करोड़ यात्री तथा 30 लाख टन से अधिक माल का परिवहन इसी नेटवर्क के माध्यम से होता है। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने अपने अधिकांश ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण कर लिया है,फिर भी अनेक ऐसे रेलखंड हैं ,जहाँ ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक अथवा भौगोलिक दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है।ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें डीजल इंजनों का स्वच्छ,टिकाऊ और प्रभावी विकल्प बन सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली-जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन,सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।किसी भी नई रेल तकनीक को नियमित संचालन में शामिल करने से पहले ऐसे परीक्षण अनिवार्य होते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।इन परीक्षणों की सफलता भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की तकनीकी दक्षता का भी परिचायक है।भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में किया गया है, जबकि हरियाणा के जींद में हाइड्रोजन उत्पादन तथा री-फ्यूलिंग की आधारभूत संरचना विकसित की गई है।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल उन्नत तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनका स्वदेशी निमार्ता बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा इस परियोजना में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है।हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका पर्यावरण-अनुकूल होना है।इसमें पारंपरिक डीजल इंजन नहीं होता। फ्यूल-सेल में हाइड्रोजन और वातावरण की ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रैक्शन मोटर संचालित होती है।इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड,धुआँ अथवा अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि हाइड्रोजन ट्रेन को भविष्य के सबसे स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन साधनों में शामिल किया जा रहा है।

यदि हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से किया जाए तो उसे 'ग्रीन हाइड्रोजन' कहा जाता है। भारत सरकार का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन इसी सोच का परिणाम है।भारतीय रेल में हाइड्रोजन तकनीक का प्रयोग इस मिशन को व्यवहारिक आधार प्रदान करता है और देश को स्वच्छ ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम बन सकता है।विश्व स्तर पर अभी बहुत कम देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक को व्यावहारिक रूप से अपनाया है।जर्मनी ने इस क्षेत्र में अग्रणी पहल की,जबकि जापान, चीन, फ्रांस और इटली सहित कुछ अन्य देश भी इस तकनीक के विकास एवं परीक्षण पर कार्य कर रहे हैं।ऐसे देशों की श्रेणी में भारत का शामिल होना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसकी बढ़ती क्षमता का भी प्रमाण है।यदि यह परियोजना सफलतापूर्वक व्यावसायिक संचालन तक पहुँचती है,तो भारत एशिया में हाइड्रोजन रेल तकनीक का अग्रणी देश बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर सकता है।आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है।भारत प्रतिवर्ष कच्चे तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा व्यय करता है। डीजल आधारित रेल संचालन में कमी आने से ऊर्जा सुरक्षा सुदृढ़ होगी और आयात बिल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।इसके साथ ही इलेक्ट्रोलाइजर,फ्यूल- सेल,उच्च-दाब हाइड्रोजन टैंक, विशेष वाल्व,पाइपलाइन तथा अन्य अत्याधुनिक उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार होगा और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हालाँकि इस उपलब्धि का मूल्यांकन केवल उत्साह के आधार पर नहीं, बल्कि यथार्थ की कसौटी पर भी किया जाना चाहिए।वर्तमान में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अपेक्षाकृत महँगा है।इसके सुरक्षित उत्पादन, संपीड़न, भंडारण और परिवहन के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना की आवश्यकता होती है।फ्यूल-सेल प्रणाली की लागत भी अभी पारंपरिक डीजल तकनीक की तुलना में अधिक है।प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन, विशेष रखरखाव प्रणाली और देशभर में री-फ्यूलिंग स्टेशनों का सुदृढ़ नेटवर्क विकसित करना भी इस परियोजना की सफलता के लिए अनिवार्य होगा।यहाँएक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि हाइड्रोजन वास्तव में कितनी 'हरित' होगी।यदि उसका उत्पादन कोयला अथवा प्राकृतिक गैस आधारित प्रक्रियाओं से किया जाएगा, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे।वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी,जब ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन,जल अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर और प्रतिस्पर्धी लागत पर होने लगे।इसलिए हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना की सफलता राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति से भी सीधे जुड़ी हुई है।इतिहास बताता है कि प्रत्येक नई तकनीक प्रारम्भ में महँगी और सीमित होती है।सौर ऊर्जा,एलईडी प्रकाश व्यवस्था,मोबाइल संचार और इलेक्ट्रिक वाहन भी कभी अत्यधिक महँगे माने जाते थे,किंतु अनुसंधान,नवाचार और बड़े पैमाने पर उत्पादन के कारण उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आई। यही संभावना हाइड्रोजन तकनीक के साथ भी दिखाई देती है।यदि भारत अनुसंधान,स्वदेशी विनिर्माण और अवसंरचना विकास में निरंतर निवेश करता रहा,तो आने वाले वर्षों में इसकी लागत भी व्यवहारिक स्तर तक लाई जा सकेगी।

भारतीय रेल का लक्ष्य केवल नई ट्रेन चलाना नहीं,बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षित, स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।वंदे भारत,अमृत भारत, 'कवच',समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास और व्यापक विद्युतीकरण जैसे परिवर्तन उसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा हैं। हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है,जो यह दशार्ती है कि भारतीय रेल आने वाले दशकों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर अपनी विकास रणनीति तैयार कर रही है।दिल्ली-जींद रेलखंड पर सफल परीक्षण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वास का भी प्रतीक है जिसके बल पर भारत अंतरिक्ष,डिजिटल भुगतान,वैक्सीन निर्माण,रक्षा उत्पादन, सेमीकंडक्टर,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक पहचान बना रहा है।हाइड्रोजन रेल तकनीक उसी परिवर्तनकारी यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।यह भारत की वैज्ञानिक क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और स्वदेशी अनुसंधान की बढ़ती शक्ति को भी रेखांकित करती है।देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन की शुभारम्भ भारतीय रेल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगा।यह संदेश केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए होगा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं तथा भारत भविष्य की स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नियमित व्यावसायिक संचालन से पहले अभी कुछ तकनीकी परीक्षण, सुरक्षा स्वीकृतियाँ और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी होनी शेष हैं।इसलिए उत्साह के साथ धैर्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी आवश्यक है।किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि दिल्ली-जींद रेलखंड पर हुए सफल परीक्षण ने यह विश्वास मजबूत कर दिया है कि भारत हरित रेल क्रांति की दिशा में निर्णायक कदम उठा चुका है।

हाइड्रोजन ट्रेन केवल पटरियों पर दौड़ने वाली एक नई रेल नहीं होगी, बल्कि विकसित भारत की उस नई सोच का सशक्त प्रतीक बनेगी जिसमें विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं,बल्कि एक- दूसरे के पूरक हैं।यदि अगले सप्ताह इसका प्रस्तावित शुभारंभ होता है, तो भारतीय रेल एक ऐसे नए युग में प्रवेश करेगी जहाँ स्वदेशी तकनीक, हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भरता विकास की नई गति निर्धारित करेंगे। विज्ञान,नवाचार और सतत विकास के समन्वय से भारतीय रेल विश्व के सबसे आधुनिक,सबसे हरित और सबसे विश्वसनीय रेल नेटवर्कों में अग्रणी बनने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ा चुकी है।यही इस ऐतिहासिक ट्रायल का सबसे बड़ा संदेश,सबसे बड़ी उपलब्धि और विकसित भारत के उज्ज्वल भविष्य का सबसे सशक्त व शुभ संकेत है।

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है

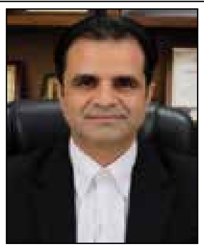

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण- अनुकूल भारत प्रदान कर सके।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा। साथियों,वर्तमान मानसून 7 जुलाई 2026 शाम 6 बजे तक ने देश के अनेक राज्यों को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र केरल,कर्नाटक,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश,असम तथा पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, जलभराव, भूस्खलन और नदी तंत्र के उफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। विशेष रूप से महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा भी यातायात,स्वास्थ्य सेवाओं,बिजली आपूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर देती है।वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और बदलते वर्षा पैटर्न ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का परिणाम भी है।जहाँ पहले कई दिनों तक सामान्य वर्षा होती थी, वहीं अब कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इससे शहरी जलनिकासी व्यवस्था,नदी तंत्र और पहाड़ी ढलानों पर अचानक दबाव बढ़ता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में फ्लैश फ्लड,बादल फटना, समुद्री तूफान और भीषण गर्मी जैसी घटनाएँ पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अधिक बार दिखाई दे रही हैं। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है।

दया की भी एक सीमा होती है न्याय की जीत से मिला घावों को मरहम

कांतिलाल मांडोत

26 जुलाई 2008 की वह शाम भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक दिनों में हमेशा दर्ज रहेगी। महज 70 मिनट के भीतर गुजरात के अहमदाबाद शहर में 21 सिलसिलेवार बम धमाकों ने सामान्य जीवन को चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल दिया था। बाजारों, सड़कों और अस्पतालों तक को निशाना बनाया गया। जिन अस्पतालों में घायल लोगों का इलाज चल रहा था, वहीं भी विस्फोट किए गए ताकि मौत और भय का दायरा और बढ़ सके। इस निर्मम हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 246 से अधिक लोग घायल हुए। उस दिन केवल अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरा देश गहरे सदमे में था। हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न था कि आखिर निर्दोष लोगों का क्या अपराध था?

उस भयावह घटना को अठारह वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ शहर ने अपने घावों पर मरहम लगाया, जीवन फिर सामान्य हुआ, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, बेटियां, माता-पिता, पति या पत्नी खो दिए, उनके लिए वह दिन कभी बीता ही नहीं। उनके घरों में आज भी 26 जुलाई की तारीख आते ही दर्द की वही लहर लौट आती है। न्यायालय के हालिया निर्णय ने उन परिवारों को यह भरोसा अवश्य दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन यदि साक्ष्य मजबूत हों और कानून अपना काम करे तो अपराध अंततः दंड तक पहुंचता है।

गुजरात हाईकोर्ट ने विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखते हुए और 11 दोषियों की उम्रकैद की सजा को भी कायम रखकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज के विरुद्ध किए गए संगठित और जघन्य अपराधों को कानून अत्यंत गंभीरता से देखता है। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज करते हुए यह भी निर्देश दिया कि मृतकों के परिजनों और घायलों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह निर्णय केवल कानूनी प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि उन परिवारों की वर्षों की प्रतीक्षा का भी उत्तर है, जिन्होंने न्याय की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी।

यह मामला केवल सजा का नहीं है, बल्कि न्याय और दया के बीच संतुलन का भी है। किसी भी सभ्य समाज में दया एक महान मानवीय गुण मानी जाती है। दया मनुष्य को संवेदनशील बनाती है, समाज को मानवीय बनाती है और कानून को भी सुधार का अवसर देती है। लेकिन दया का अर्थ यह नहीं कि ऐसे अपराधों को भी उसी दृष्टि से देखा जाए, जिनका उद्देश्य केवल अधिक से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या करना और पूरे समाज में भय फैलाना हो। जब कोई अपराध सुनियोजित तरीके से मासूमों की जान लेने के लिए किया जाता है, तब दया का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है।

न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधी को दंड देना नहीं होता, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी होता है। यदि ऐसे मामलों में अपराध की गंभीरता के अनुरूप दंड नहीं मिले, तो पीड़ित परिवारों के मन में यह भावना जन्म ले सकती है कि उनकी पीड़ा का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ। न्याय तभी सार्थक माना जाता है जब वह पीड़ितों को यह विश्वास दिला सके कि राज्य और कानून उनके साथ खड़े हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि न्याय प्रतिशोध नहीं होता। अदालतें भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय देती हैं। अहमदाबाद विस्फोट मामले में वर्षों तक जांच चली, हजारों दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, सैकड़ों गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। उसके बाद उच्च न्यायालय ने भी विस्तृत सुनवाई के बाद उसी निर्णय को सही माना। इसका अर्थ है कि फैसला किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि विधिक परीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरकर सामने आया है। आज जब पीड़ित परिवार इस निर्णय पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो उनके मन में बदले की भावना नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि उनके अपनों की मौत को भुलाया नहीं गया। जिन माता-पिता ने अपने जवान बेटे खोए, जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया, जिन परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं, उनके लिए कोई भी फैसला उनके प्रियजनों को वापस नहीं ला सकता। फिर भी न्याय का निर्णय उनके घावों पर मरहम रखने का कार्य अवश्य करता है।

समाज को भी इस निर्णय से एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंक और निर्दोष लोगों की हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं बन सकती। जब अपराध का उद्देश्य पूरे समाज को भयभीत करना हो, तब कानून का कठोर होना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। यही कठोरता भविष्य में ऐसे अपराधों के विरुद्ध एक स्पष्ट चेतावनी का कार्य करती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने केवल दोषियों की सजा को बरकरार नहीं रखा, बल्कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने का निर्देश देकर पीड़ितों के अधिकारों को भी महत्व दिया है। आर्थिक सहायता किसी जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन यह राज्य की संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक अवश्य होती है। न्याय केवल अपराधी को दंड देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास और सम्मान की भी चिंता करनी चाहिए।

समय के साथ समाज अक्सर बड़ी घटनाओं को भूलने लगता है, लेकिन इतिहास हमें याद दिलाता है कि ऐसी त्रासदियां केवल आंकड़े नहीं होतीं। प्रत्येक मृतक के पीछे एक परिवार, एक सपना और एक अधूरी कहानी होती है। इसलिए जब भी ऐसे मामलों में न्यायिक निर्णय आते हैं, हमें केवल दोषियों की सजा पर नहीं, बल्कि उन निर्दोष लोगों की स्मृति पर भी विचार करना चाहिए जिन्होंने बिना किसी गलती के अपना जीवन खो दिया। दया और न्याय दोनों किसी भी सभ्य समाज के आवश्यक स्तंभ हैं। लेकिन जब निर्दोष जीवनों को योजनाबद्ध ढंग से समाप्त करने का प्रयास किया जाए, तब न्याय का पलड़ा भारी होना ही समाज के हित में होता है। असीमित दया कभी-कभी न्याय के उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। इसलिए कहा जाता है कि दया वहीं तक उचित है, जहां तक वह निदोर्षों के अधिकारों और समाज की सुरक्षा को प्रभावित न करे। जब अपराध मानवता के विरुद्ध हो, तब न्याय की दृढ़ता ही समाज में विश्वास बनाए रखती है।

अहमदाबाद की वह काली शाम देश कभी नहीं भूल सकता। वह केवल एक शहर पर हमला नहीं था, बल्कि भारत की शांति, सामाजिक विश्वास और मानवीय मूल्यों पर हमला था। आज उच्च न्यायालय के निर्णय ने यह संदेश दिया है कि कानून की गति भले धीमी हो, लेकिन वह अंततः अपने निष्कर्ष तक पहुंचती है। यह फैसला उन 56 मासूम लोगों की स्मृति को श्रद्धांजलि है, उन सैकड़ों घायलों के साहस का सम्मान है और उन परिवारों के धैर्य को नमन है जिन्होंने वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा की।

न्याय का वास्तविक अर्थ यही है कि पीड़ितों की पीड़ा को सुना जाए, अपराध की गंभीरता को समझा जाए और कानून निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभाए। दया मनुष्य का सर्वोच्च गुण है, परंतु जब वह निदोर्षों के अधिकारों पर भारी पड़ने लगे, तब न्याय को दृढ़ होना ही पड़ता है। अहमदाबाद विस्फोट मामले का यह निर्णय उसी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि करता है कि दया की भी एक सीमा होती है और उस सीमा के आगे केवल न्याय ही समाज को सुरक्षित और संतुलित रख सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

साहित्य में एआई की भूमिका शून्य इसमें मौलिकता नहीं– रुश्दी

ढाका, एजेंसी। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी का मानना है कि साहित्य जैसे रचनात्मक कार्यों में एआई की कोई भूमिका नहीं है क्योंकि इसमें मौलिकता नहीं होती। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने बुधवार को लंदन में लिबेराटम का 14वां सम्मान स्वीकार करने से पहले यह बात कही। रुश्दी ने कहा कि एआई बड़ी मात्रा में जानकारी लेकर उसके संस्करण बना सकता है लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं कर सकता जो किसी ने पहले न किया हो।

जर्मनी में हीटवेव से पांच हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण इस साल अब तक लगभग 5,120 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकांश लोग जून के आखिरी हफ्ते में मारे गए। देश की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट (आरकेआई) के मुताबिक, मृतकों में बुजुर्गों की संख्या सर्वाधिक रही। लगभग 4,270 मृतक 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे, जिनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक रही। पश्चिमी यूरोप में इस साल जून का महीना सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया।

उज्बेकिस्तान में भारतीय छात्रा की बेरहमी से पीटकर हत्या

ताशकंद, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रही केरल की 22 वर्षीय छात्रा सावरिया की उसके दोस्त और सहपाठी ने बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी। स्थानीय पुलिस ने मल्लपुरम निवासी आरोपी सदरुल अनाम (23) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों एक ही हॉस्टल में रहते थे। परिजनों का आरोप है कि हत्या से पहले सावरिया को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया और बेरहमी से पीटा गया। उसके शरीर में गंभीर चोटों के निशान हैं।

सिंगापुर– चीनी बैंक खाते फ्रीज भारतीय प्रबंधक पर 39 केस

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक कंपनी के भारतीय मूल के प्रबंधक के खिलाफ 39 आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई आरोपी मलिक समीर (36) की कंपनी समलिट मनीचेंजर की ओर से चीन भेजे गए 1.3 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 80 करोड़ रुपये) के रेमिटेंस के फ्रीज होने के बाद हुई है। मामले में कंपनी और उसके निदेशक नोवियांती (45) के खिलाफ भी कुल 34 केस दर्ज किए गए हैं। मामला 2023 का है। पुलिस को चीनी अधिकारियों से 670 ज्यादा शिकायतें मिली थीं।

चार्ली किर्क हत्याकांड : आरोपी ने कहा था– काश यह नहीं किया होता, कोर्ट में चला वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राजनीतिक कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के मामले में कोर्ट में पेश किए गए एक पुलिस वीडियो में आरोपी टायलर रॉबिन्सन के रूममेट लांस ट्विग्स ने दावा किया कि घटना के अगले दिन आरोपी ने उससे कहा था, 'काश मैंने यह नहीं किया होता।' अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी ने एक नोट और संदेश में भी किर्क को निशाना बनाने की बात लिखी थी। रॉबिन्सन पर हत्या का आरोप है, लेकिन उसने अभी दोष स्वीकार नहीं किया है। अदालत अब तय करेगी कि उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं या नहीं।

चीन में तूफान और बाढ़ से भीषण तबाही 39 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन में आए एक भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ से 39 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की। यह तबाही ऐसे समय में आई है जब चीन का पूर्वी तट और ताइवान एक नए चक्रवाती तूफान (बावी) को लेकर संकट में है। बाढ़ में सर्वाधिक मौतें हेंगझोउ में हुई हैं। नाननिंग शहर में एक जलाशय का बांध आंशिक रूप से टूटने से आई बाढ़ में अकेले हेंगझोउ में 26 लोगों की मौत हुई।

नोबेल को आतुर ट्रंप फिर बोले– एटमी वार में बदलने वाला था भारत–पाकिस्तान युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान युद्ध सुलझाने का फिर दावा किया है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच का टकराव परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। बिना कोई विवरण दिए ट्रंप ने कहा कि मई–2025 में दोनों पड़ोसी देशों के बीच चार दिन के संघर्ष में 11 लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत आठ लड़ाइयों को सुलझाने की वजह से वह नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में ज्यादा हकदार हैं।

वेनेजुएला में धरती थमी लेकिन नहीं थमा संकट: अब कौन सी नई परेशानी आई सामने? 3811 पहुंची मृतकों की संख्या

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो भीषण भूकंपों के बाद मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। राहत शिविरों में डायरिया, त्वचा रोग और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने 13 लाख जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 30 करोड़ डॉलर की अपील की है, जबकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन राहत और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटे हैं।

क्या अब राहत से ज्यादा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत महसूस हो रही है : मदद की यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण अमेरिकी देश में सहायता की सख्त जरूरत वाले 13 लाख लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए करीब 30 करोड अमेरिकी डॉलर की अपील की है। यह वही देश है, जहां कुछ समय पहले तक गैर-सरकारी संगठनों को सरकारी दमन का सामना करना पड़ रहा था। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी राज्य ला गुआइरा में अब सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल किचन, अस्थायी क्लिनिक और फील्ड अस्पताल लोगों की मदद में जुटे दिखाई दे रहे हैं।

राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने क्या कहा : वेनेजुएला के दौरे पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'विस्थापन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है कि, खासकर दो सप्ताह बाद, लोग इसलिए आ रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी पुरानी बीमारियों का इलाज नहीं मिल पा रहा है। अब लोग सिर्फ फ्रैक्चर जैसी चोटों के साथ नहीं आ रहे, बल्कि लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम लगातार उनके साथ मौजूद रहें।'

किन बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं : ला गुआइरा राज्य के कैटिया ला मार इलाके में मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने गुरुवार को बताया कि त्वचा संबंधी बीमारियों और डायरिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों की दवाओं की मांग भी लगातार बढ़ रही है। डॉक्टरों का मानना है कि भीडभाड वाले राहत शिविरों, साफ पानी की कमी और खराब स्वच्छता व्यवस्था के कारण इन बीमारियों का खतरा और बढ़ गया है। इनमें से कई समस्याएं भूकंप से पहले भी मौजूद थीं, लेकिन अब हालात और गंभीर हो गए हैं।

इरमा एचारी इलाज के लिए क्यों पहुंचीं : इरमा एचारी चर्च के सामने सड़क के दूसरी ओर फुटपाथ पर खड़ी एक मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी नियमित आई ड्रॉप और दर्द निवारक दवाओं के खाली डिब्बे लेकर पहुंचीं। उन्हें उम्मीद थी कि वहां मौजूद डॉक्टर उन्हें नई दवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इसके साथ ही वह 24 जून को आए भूकंप के बाद नाक में बने लगातार दर्द की भी जांच कराना चाहती थीं। 67 वर्षीय एचारी ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए कहा, 'बहुत दर्द होता है। दर्द इसलिए होता है क्योंकि दर्द है।

भूकंप के बाद कितनी तबाही हुई : एचारी का घर भले ही क्षतिग्रस्त नहीं हुआ, लेकिन उनके कई पड़ोसी अस्थायी आश्रयों या खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, लगातार आए भूकंपों में 3,811 लोगों की मौत हुई, 190 इमारतें पूरी तरह ढह गईं और 856 अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार का अनुमान है कि करीब 18,000 लोग बेघर हो गए हैं। इनमें से कई लोग स्कूलों, फुटपाथों, पार्कों, प्लाजा और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे हैं।

राहत अभियान में सबसे ज्यादा मदद कौन कर रहा है : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के बाद अब तक सबसे ज्यादा सहायता अमेरिका की ओर से मिली है। हालांकि जमीनी स्तर पर राहत का अधिकांश काम स्थानीय संगठन कर रहे हैं, जो वैश्विक मानवीय संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचा रहे हैं।

जुलबे रेयेस की कहानी क्या बयां करती है : बेघर हुए लोगों में जुलबे रेयेस भी शामिल हैं। उन्होंने वेनेजुएला के संगठन पालुज द्वारा इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के सहयोग से संचालित क्लिनिक में इलाज कराया। भूकंप के कारण नैनी की नौकरी गंवा चुकी रेयेस सीने में दर्द की शिकायत लेकर क्लिनिक पहुंची थीं। 41 वर्षीय रेयेस ने जांच और दवा मिलने के बाद कहा, 'मुझे लगा कि मेरे दिल में कोई परेशानी है, लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि उस दिन लगातार चीखने और घबराहट की वजह से एक नस में सूजन आ गई थी। संयुक्त राष्ट्र के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के अनुसार, भूकंप के कारण घरों और बुनियादी ढांचे को हुए सीधे नुकसान का अनुमान करीब 37 अरब अमेरिकी डॉलर लगाया गया है।

ईरान: मशहद में सुपुर्द-ए-खाक हुए पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई, ट्रंप को ठहरा रहे जिम्मेदार

तेहरान, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को गुरुवार को मशहद में इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इस मौके पर हजारों समर्थकों उन्हें आखिरी विदाई देने के लिए इकट्ठा हुए. बता दें, अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में मारे गए थे. अंतिम संस्कार की रस्मों के तहत खामेनेई के शव को इमाम रजा की कब्र के चारों ओर ले जाने के बाद दार अल-धिकर प्रार्थना हॉल में दफनाया गया. अंतिम संस्कार की नमाज उनके सबसे बड़े बेटे, सैय्यद मुस्तफा खामेनेई ने पढ़ी. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, दानेश चौराहे और इमाम रजा दरगाह के बीच भारी भीड़ होने की वजह से खामेनेई के शव को हवाई जहाज से पवित्र दरगाह तक ले जाना पड़ा. सरकारी मीडिया ने कुछ तस्वीरें दिखाई जिनमें मशहद में अंतिम संस्कार के रास्ते पर शोक मनाने वालों की भारी भीड़ दिख रही थी और वे पूर्व सुप्रीम लीडर के शव को आखिरी विदाई देने के लिए ले जा रहे काफिले को घेर रहे थे. वहीं, खामेनेई के अंतिम संस्कार के मौके पर उपस्थित भीड़ ट्रंप विरोधी बैनर लिए हुए दिखाई दी. इससे तेहरान का यह रुख सामने आया कि वह नेता की मौत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को जिम्मेदार मानता है. बता दें, इस अवसर पर ईरान के नए नियुक्त सुप्रीम लीडर, मोजतबा खामेनेई शामिल नहीं हुए. इस साल की शुरुआत में 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइली हमलों में अली खामेनेई की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संघर्ष शुरू हो गया था. उनकी मौत के बाद, उनके बेटे, मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिपब्लिक का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया. वहीं, पिछले महीने, इस युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक 14-सूत्रीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हुए थे।

अमेरिका से भारत भेजी जा रही 22 किलो से अधिक कोकीन जब्त

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक एयर कार्गो गोदाम से भारत भेजी जा रही 22.35 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बताया कि इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख डॉलर आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार मादक पदार्थ डोमिनिकन गणराज्य से भारत भेजे जा रहे एक पार्सल में छिपाया गया था। पार्सल पर 'म्यूजिक इक्विपमेंट' लिखा था और कोकीन को स्पीकर व एम्प्लीफायर के अंदर बेहद चालाकी से छिपाया गया था। जांच के दौरान अधिकारियों को चार स्पीकर और दो एम्प्लीफायर के भीतर आठ पाउच और चार ईंटनुमा पैकेट मिले। जांच में यह कोकीन हाइड्रोक्लोराइड निकली। यह कार्रवाई फीफा विश्व कप के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन स्ट्राइकर शील्ड के तहत की गई। सीबीपी ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मामले की जांच अब होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस कर रही है।

सीरिया में मैक्रों की यात्रा के दौरान हुए धमाकों के आरोपी गिरफ्तार : दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की सरकार ने दावा किया है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की हालिया यात्रा के दौरान दमिश्क में हुए बम धमाकों के पीछे शामिल संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने राजधानी और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। हालांकि गिरफ्तार लोगों की पहचान और संगठन का खुलासा नहीं किया गया है। मैक्रों मंगलवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात कर रहे थे, तभी कूड़ेदान और एक खड़ी कार में लगाए गए बम फट गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और 36 लोग घायल हो गए। इससे पहले पिछले सप्ताह दमिश्क के एक कैफे में हुए विस्फोट में 10 लोगों की जान गई थी।

अमेरिका के एक एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रंप के नाम पर रखा गया

फ्लोरिडा , एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा के हवाई अड्डे पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम गुरुवार को आधिकारिक तौर पर बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' कर दिया गया। पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुराने साइनबोर्ड हटाए जा रहे हैं और उनकी जगह नए नाम वाले बोर्ड लगाए जा रहे हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'पूरे एयरपोर्ट का बदलाव एक रात में संभव नहीं है। इसलिए आने वाले कुछ हफ्तों तक टर्मिनल से यात्रा के दौरान यात्रियों को पुराने स्वरूप और नए ब्रांडिंग तत्वों का मिश्रण देखने को मिलेगा।'

ट्रंप का विमान ही सबसे पहले उतरा : द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के स्वामित्व वाला बोइंग 757 विमान, जिसे 'ट्रंप फोर्स वन' नाम से जाना जाता है। इस एयरपोर्ट पर उतरने वाला पहला विमान बना। यह विमान सुबह करीब 5 बजे एयरपोर्ट पहुंचा। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप भी सवार थे। ट्रंप परिवार, पाम बीच स्थित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो आवास पर आने-जाने के दौरान नियमित रूप से वेस्ट पाम बीच एयरपोर्ट का इस्तेमाल करता है। इससे पहले इस वर्ष एयरपोर्ट से ट्रंप के आवास तक जाने वाली एक सड़क का नाम भी बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड' रखा गया था।

बेटे ने लिखा– इस सम्मान के अधिकार भी वही हैं : एरिक ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'फ्लोरिडा और हमारे देश के लिए जितना योगदान इन व्यक्ति ने दिया है, उतना किसी और ने नहीं दिया। इस सम्मान के सबसे अधिक हकदार भी वही हैं। एक बेटे के रूप में और इस एयरपोर्ट से लगभग रोज यात्रा करने वाले व्यक्ति के तौर पर, अपने बोर्डिंग पास पर 'DJT' के शुरुआती अक्षर देखकर मुझे हमेशा गर्व महसूस होगा।' हालांकि एयरपोर्ट का नया नाम गुरुवार से लागू हो गया है, लेकिन इसका तीन अक्षरों वाला एयरपोर्ट कोड PBI से बदलकर DJT 18 अगस्त से किया जाएगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने बाद में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एयरपोर्ट का नाम बदले जाने का स्वागत किया। उन्होंने लिखा, 'पाम बीच, फ्लोरिडा के लिए यह बहुत बड़ा दिन है। शानदार मतदान के बाद पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'द प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह इलाका बेहद लोकप्रिय है, इसकी लोकेशन शानदार है और इसका नवीनीकरण भी शानदार होगा। पाम बीच के सभी लोगों का उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद।' उन्होंने इसे दुनिया के सबसे महान और शानदार हवाई अड्डों में से एक भी बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने इसी वर्ष उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे एयरपोर्ट का नाम बदलने का रास्ता साफ हुआ। नए साइनबोर्ड, ब्रांडिंग और अन्य बदलावों पर लगभग 55 लाख अमेरिकी डॉलर तक खर्च होने का अनुमान है। गुरुवार सुबह सिनसिनाटी जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे यात्री कीगन कोलेट ने कहा कि नया नाम देखकर उन्हें हैरानी हुई। उन्होंने कहा कि उनके मुताबिक ट्रंप इस सम्मान के हकदार नहीं हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई खास आपत्ति भी नहीं है।

पुल का नाम बदलकर भी ट्रंप के नाम पर किया : इसी बीच, गुरुवार सुबह टेनेसी के डैंड्रिज में आयोजित एक समारोह में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, अमेरिकी सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न, बिल हैगर्टी और प्रतिनिधि सभा के सदस्य टिम बर्चेट ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूर्वी टेनेसी स्थित आई-40 ब्रिज का नाम बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप ब्रिज' रखा गया। डैंड्रिज स्थित जेफरसन काउंटी में 2024 के आम चुनाव में ट्रंप को 82 प्रतिशत वोट मिले थे।

ईरान पर नए हमले के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत, खाड़ी देशों की स्थिति पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान पर हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को इस पूरी घटना की जानकारी दी। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा X पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच शाम को बातचीत हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच निरंतर समन्वय स्थापित किया गया। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी गतिविधियों की जानकारी दी। पीएम नेतन्याहू ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके समर्थकों द्वारा इजरायल राज्य के अस्तित्व के खिलाफ दिए गए बयानों की गंभीरता और इजरायल की सीमाओं पर सुरक्षा क्षेत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया।'

इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने गुरुवार को दावा किया कि उसने उत्तरी जॉर्डन में स्थित अमेरिकी अल-अजराक एयरपोर्ट पर 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। आईआरजीसी ने इसे 'पश्चिम एशिया में दुश्मन का कमांड और कंट्रोल सेंटर' बताया। यह हमला वाशिंगटन द्वारा तेहरान पर हाल ही में किए गए हमले के जवाब में किया गया था। ईरान की सरकारी मीडिया IRIB द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि मिसाइल हमले अमेरिका द्वारा किए गए कथित आक्रमण के जवाब में की गई कार्रवाई का 'दूसरा चरण' है। बयान में कहा गया, 'आज दोपहर 2:20 बजे, आईआरजीसी के लड़ाकू विमानों ने पश्चिम एशिया में दुश्मन के कमांड और कंट्रोल सेंटर और जॉर्डन के अल-अजराक स्थित दुश्मन के हवाई अड्डे को 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से नष्ट कर दिया।'

अमेरिकी ठिकानों पर अधिक हमलों की चेतावनी : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अमेरिका की और सैन्य कार्रवाई से क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर और हमले होंगे। आईआरआईबी द्वारा जारी बयान में कहा गया है, 'अगर अमेरिकी आतंकवादी सेना अपनी आक्रामकता दोहराती है, तो क्षेत्र में अन्य अमेरिकी ठिकाने भी हमारी भारी गोलाबारी से सुरक्षित नहीं रहेंगे।

बयान में आगे कहा गया है कि ईरान ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बार-बार हमले होने पर वह अपनी सैन्य प्रतिक्रिया का विस्तार करेगा। इसी बीच, जॉर्डन ने पुष्टि की कि ईरान से मिसाइलों के देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद हवाई हमले के सायरन सक्रिय कर दिए गए हैं।

चीन के जिनजियांग में जूतों की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 28 की मौत; जिनिपंग के सख्त आदेश

बीजिंग, एजेंसी। चीन के जिनजियांग शहर में गुरुवार को जूतों की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के वीडियो में इमारत और उसके आसपास की आग की लपटें उठती हुई दिख रही हैं। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने आग लगने के बाद बचाव और राहत कार्यों के लिए संयुक्त कार्य दल पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर भेज दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को तलाश और बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने, घटना का कारण पता लगाने और जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

जिनपिंग ने दिए सख्त आदेश : जिनपिंग ने घटना की तेजी से जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया। शहर के फायर डिपार्टमेंट ने एक बयान में कहा कि आग जिनजियांग शहर में हुईटेंग शू कंपनी की एक फैक्ट्री में लगी, जिसे चीन की जूतों की राजधानी भी कहा जाता है। आग लगने का कारण तुरंत पता नहीं चला, और यह भी साफ नहीं है कि हाल के सालों में चीन में लगी सबसे जानलेवा आग में और लोग घायल हुए हैं या नहीं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लोग छत पर फंस गए थे।

हिरासत में फैक्ट्री का मालिक और इंचार्ज : शिन्हुआ के अनुसार, फैक्ट्री के मालिक और दूसरे इंचार्ज को हिरासत में ले लिया गया है और कंपनी के अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं। स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के वीडियो में कई मंजिल वाली एक बिल्डिंग का अगला हिस्सा जला हुआ काला और सफेद धुएं से ढका हुआ दिख रहा है। पहले के फुटेज में दिख रहा है कि कई मंजिलों पर आग लगी हुई थी और बिल्डिंग घने काले धुएं से ढकी हुई थी। जब आग लगी, तब फैक्ट्री में 237 वर्कर और दो विजिटर थे। अधिकारियों ने 213 लोगों को निकाला या बचाया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवीके मुताबिक, मरने वाले 28 लोगों में से दो को हॉस्पिटल ले जाने के बाद मृत घोषित कर दिया गया।

फुटबॉल फैंस का फूटा गुस्सा! फ्रांस से मोरक्को की हार के बाद लंदन में भड़की हिंसा, सड़कों पर भारी बवाल

लंदन , एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस ने सेमीफाइनल के लिए अपनी सीट पक्की कर ली है। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर अपनी जगह बनाई है। मोरक्को के खिलाफ फ्रांस की जीत के बाद पेरिस में शांतिपूर्ण तरीके से जश्न मनाया गया, तो वहीं, वहीं लंदन में हिंसक झड़प की घटना सामने आई। लंदन की गलियों में फुटबॉल फैंस की भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। पेरिस में पहले से ही हिंसा की आशंका के तहत सुरक्षा बलों को तैनात रखा दया था। लेकिन लंदन में हालात तनावपूर्ण हो गए। मोरक्को की हार के बाद सड़कों पर हिंसा होने लगी। लोगों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया।

एक पुलिस अधिकारी घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री होने के बाद वेस्टर्न लंदन में कुछ उपद्रवियों ने मिलकर एक पुलिस अधिकारी पर भी हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल पुलिस अधिकारी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। देखते-ही-देखते स्थिति बेकाबू हो गई और फैंस सड़कों पर अपना गुस्सा निकालते हुए दिखाई दिए।

भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : इस हिंसा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन वीडियो में सुरक्षाकर्मी भीड़ को काबू करने की कोशिश करते नजर आ रही है। पुलिसकर्मी और उपद्रवी आमने-सामने एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे है। मैच से पहले डर था कि उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को और उसके पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। अच्छी बात यह रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैन्स फ्रांसीसी टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए।

फ्रांस में 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात : ध्यान देने वाली बात यह है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे फ्रांस में 20,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी

तैनात किए गए थे, जिनमें से लगभग 8,000 अकेले पेरिस में तैनात थे। फ्रांस की सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि पेरिस सेंट-जर्मेन की पिछले मई में चैंपियनशिप जीत के बाद हुई अशांति जैसी स्थिति जिसमें हिंसा भी हो सकती हैफिर से पैदा हो सकती है। हालांकि, इस फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस का माहौल हिंसा के बजाय खुशी और जश्न का था।

उपद्रवियों के हमले में 1 पुलिस अधिकारी हुआ घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री तय होने के कुछ ही देर बाद वेस्टर्न लंदन में एक पुलिस अधिकारी उपद्रवियों के अटैक में घायल हो गया। बाद में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाना पड़ा।

एडगवेयर रोड पर भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिसकर्मी एडगवेयर रोड पर भारी भीड़ को कंट्रोल करने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में जख्मी पुलिसकर्मी सड़क पर लेटा हुआ नजर आ रहा है और मेडिकल टीम उसका इलाज कर रही है। इस दौरान, अन्य पुलिसकर्मी ढालों के साथ कतार बनाकर उपद्रवियों की तरफ आगे बढ़ते हुए नजर आए।

आशंका के उलट पेरिस में शांतिपूर्ण रहा जश्न : मैच से पहले ऐसी आशंका जताई गई थी कि नॉर्थ अफ्रीका के देश मोरक्को और उसके पूर्व उपनिवेशवादी शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। गनीमत रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैंस सड़कों पर उतरकर फ्रांस की टीम की जीत का जश्न मनाते दिखे।

सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

लंदन एजेंसी। विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाईं, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गईं और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।

बेटे के नजरिए से चुनती हूं फिल्म

मां बनने के बाद काम में बदलाव पर की बात

दिवाली पर नितेश तिवारी की 'रामायण: पार्ट 1' रिलीज होगी। काम में व्यस्त रहने के बावजूद काजल कहती हैं कि अब वह बहुत सोच-समझकर फिल्में चुनती हैं, खासकर मां बनने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई है।

मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे

एक इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने घर और काम को लेकर बात करते हुए कहा, 'शादी और बच्चे के बाद जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। अब जब मैं कोई प्रोजेक्ट चुनती हूं, तो अपने बच्चे के नजरिए से सोचती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे। वह मेरी फिल्म देखे और कहे कि यह मेरी मां का काम है और यह बहुत अच्छा है। इसलिए अब मैं ज्यादा जिम्मेदारी और समझदारी के साथ फैसले लेती हूं।'

बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन

इसी वजह से 'रामायण' को लेकर उनकी एक्साइटमेंट भी काफी ज्यादा है। फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन है। वह रोज घर पर रामलीला करता है और किरदार निभाता है। जब मैंने उसे बताया कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, तो वह बहुत खुश हो गया। मजेदार बात यह है कि उसका फेवरेट किरदार रावण है और मैं फिल्म में उसकी पत्नी मंदोदरी का रोल निभा रही हूं। जब 'रामायण' का पार्ट 2 आएगा, तब वह लगभग 5 साल का होगा और मैंने उससे कहा है कि वह अपनी पहली फिल्म थिएटर में देखेगा।'

दो हिस्सों में रिलीज होगी

'रामायण' नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा।

प्रियदर्शन नहीं होंगे हेरा फेरी 3 का हिस्सा

प्रियदर्शन ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन किया है। इन दिनों वह 'हैवान' पर काम कर रहे हैं। इस बीच निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने बताया है कि 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्टर नहीं करेंगे। उन्होंने अक्षय कुमार और परेश रावल जैसे एक्टर्स के साथ अपने रिश्तों के बारे में भी बात की। से बातचीत में फिरोज ने अक्षय कुमार के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा 'हमारा रिश्ता भाईचारे जैसा है। यह पैसे और दबाव से कहीं ऊपर है। हमारा रिश्ता 1996-97 से है। यह साथ रहने और साथ काम करने पर आधारित है और यही हमारा रिश्ता है।' परेश रावल की तारीफ करते हुए फिरोज ए नाडियाडवाला ने कहा 'डिक्शनरी में परेश भाई के बारे में बताने के लिए कोई शब्द नहीं है। वह कमाल के हैं। उनके विचार, सपोर्ट और कोशिशें आम लोगों से कहीं बढ़कर हैं। उनके काम करने के तरीके में कुछ आध्यात्मिक बात है।'

जब 'हेरा फेरी 3' की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा गया, तो फिरोज ने संक्षेप में लेकिन भरोसा दिलाते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'सब कुछ सही रास्ते पर है और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रियदर्शन इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करने के लिए वापस आएंगे, तो फिरोज ने सीधा और साफ जवाब दिया, जिससे अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं बची। उन्होंने कहा, 'नहीं, प्रियदर्शन इसका हिस्सा नहीं हैं।'

फराह-रितेश दोनों सख्त जेलर हैं

अभिनेत्री कंगना रनौत रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए वापस आ गई हैं। हालांकि, इस बार वह 'जजमेंट डे' एपिसोड में जूरी के तौर पर 'जनता की आवाज' बनेंगी। कंगना शो के जेलर्स, फराह खान और रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी, जो लगातार कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब कर रहे हैं और यह पक्का कर रहे हैं कि कोई भी झूठ या बहाना नजरअंदाज न हो।

रियलिटी शो में जेलर्स के तौर पर फराह और रितेश के असरदार काम की तारीफ करते हुए 'क्वीन' एक्ट्रेस ने कहा कि ये दोनों कंटेस्टेंट्स के साथ बहुत निष्पक्ष रहे हैं। साथ ही टास्क के मामले में वे बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हैं।

सीजन 1 में शो की होस्ट रहीं कंगना ने कहा, 'फराह और रितेश ने 'लॉक अप' में वही अधिकार और तेवर दिखाया है, जिसकी इसे जरूरत थी। कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब करते समय वे निष्पक्ष, निडर और बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।

उन्होंने कहा, ' 'जनता की आवाज' के तौर पर, मैं इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए यहां आई हूं। दर्शक हर हरकत देख रहे हैं और अब उनकी आवाज सुनने का समय आ गया है। मेरा यकीन मानिए, नया एपिसोड हर किसी को चर्चा करने पर मजबूर कर देगा।' इससे पहले शो का दोबारा हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, 'यह शो हमेशा अपने सच को स्वीकार करने के बारे में रहा है, चाहे वह कितना भी असहज क्यों न हो। 'लॉक अप: सच या सजा' के पहले एलिमिनेशन के लिए इस वीकेंड जूरी या 'जनता की आवाज' के तौर पर फराह और रितेश के साथ जुड़ते हुए, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि हर पसंद की एक कीमत होती है।

अपने हिंदी डेब्यू को तैयार एक्टर अदिवि शेष

एक्टर-राइटर अदिवि शेष अब अपने हिंदी फिल्मी डेब्यू के लिए तैयार हैं। यह उनके करियर का अगला पड़ाव है, क्योंकि उन्हें तेलुगु सिनेमा के अलावा भी दर्शकों का प्यार लगातार मिल रहा है। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्तूबर में शुरू हो जाएगी। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'अदिवि शेष ने अच्छे कंटेंट वाली फिल्मों के जरिए दर्शकों के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया है। 'मेजर' और 'डकैत' जैसी फिल्मों को मिले अच्छे रिस्पॉन्स से उनके दर्शकों का दायरा काफी बढ़ा है। अलग-अलग इंडस्ट्रीज और भाषाओं में उनके साथ काम करने को लेकर दिलचस्पी भी साफ तौर पर बढ़ रही है।'

महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल जगह है बॉलीवुड

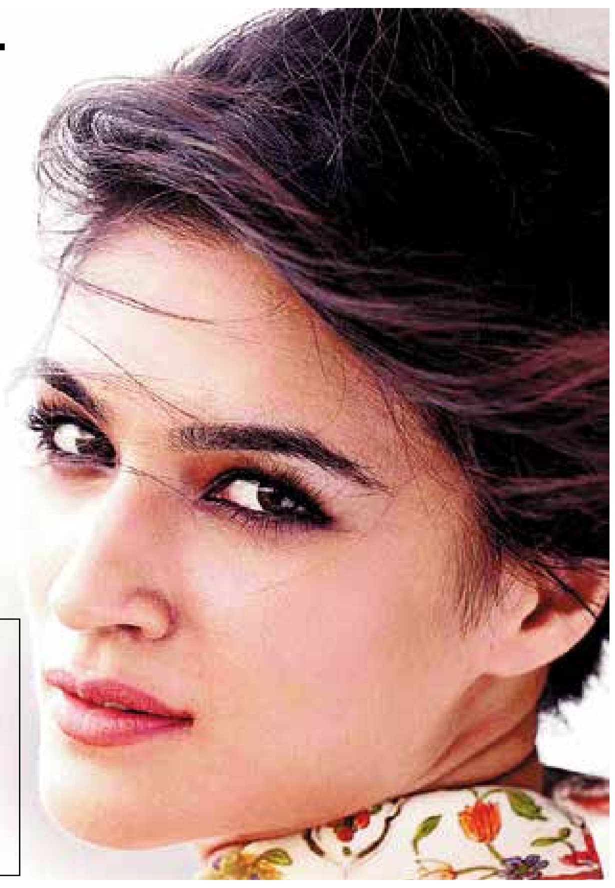

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है। बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है। कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। मगर जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

कृति सेनन की हालिया रिलीज

कृति सेनन हाल ही में 'कॉकटेल 2' में नजर आई हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे। फिल्म को आलोचकों से मिले-जुले रिव्यू मिले। कृति ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

अब काम करने का तरीका बदल गया है

अरशद वारसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धमाल 4' और सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच एक्टर ने अपने करियर जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इतने साल में उनके काम करने का तरीका बदला है। साथ ही उन्होंने आज के युवा एक्टर्स के डर के बारे में भी बात की।

शॉट्स के बीच ब्रेक लेने के बजाय, काम करते थे अरशद

बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने अपनी पीढ़ी के कलाकारों और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच देखे गए अंतर के बारे में बात की। इंडस्ट्री में बदलते काम के माहौल पर बात करते हुए, अरशद ने अपनी एक फिल्म की शूटिंग का मजेदार किस्सा भी सुनाया। अरशद का मानना है

कि समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है। सबसे बड़ा अंतर ये है कि एक्टर्स शारीरिक रूप से मुश्किल शेड्यूल और लंबे समय तक चलने वाली शूटिंग को कैसे संभालते हैं। बातचीत के दौरान अरशद से पूछा गया कि पुरानी पीढ़ी के एक्टर्स नई पीढ़ी से कैसे अलग हैं?

इसका जवाब देते हुए उन्होंने एक ऐसा अनुभव शेयर किया जिसने उन पर गहरा असर डाला। उन्होंने एक स्टंट सीन की शूटिंग को याद किया। शॉट्स के बीच लंबा ब्रेक लेने के बजाय, वह बस अपने अगले क्यू का इंतजार करते और शूटिंग जारी रखते। इस घटना के बारे में बताते हुए अरशद ने कहा, 'मैंने वह सब किया और मैं आया और बैठ गया। अपने अगले शॉट का इंतजार किया, फिर मैं उठा और मैंने अगला शॉट और उसके बाद वाला शॉट किया।' यही वह काम करने का तरीका था जिसके वे अपने करियर के दौरान आदी हो गए थे।

अरशद के लगातार काम करने के फैन हुए निर्देशक

अरशद को बिना किसी रुकावट के शूटिंग जारी रखते देख, फिल्म के निर्देशक उनके पास गए और एक ऐसी बात कही जो अभिनेता को आज भी याद है। अरशद ने बताया कि निर्देशक ने कहा कि आप जैसे लोगों के साथ काम करना बहुत सुखद है। नई पीढ़ी के कलाकार, दो-चार स्टेप डांस करके मसाज कराने चले जाते हैं, आराम और रिकवरी के लिए उन्हें समय चाहिए, फिर वे रिकवर होकर वापस आकर दूसरा शॉट देते हैं।

नए कलाकारों का बहुत कुछ दांव पर है

हालांकि, अरशद का मानना है कि अब वर्किंग कल्चर में काफी बदलाव आया है। वो इस बदलाव को निगेटिव रूप से नहीं देखते हैं। बल्कि, उनका मानना है कि हर पीढ़ी को अपने-अपने अनूठे दबावों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के कलाकारों के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, शायद यही कारण है कि वे काम करते समय अधिक सतर्क रहते हैं। हम अभिनय की एक अलग दुनिया से आते हैं, इसलिए हां, थोड़ा अंतर तो है, लेकिन मुझे लगता है कि कहीं न कहीं सब ठीक हो जाता है। मुझे लगता है कि नए कलाकार ज्यादा डरे हुए हैं क्योंकि बहुत कुछ दांव पर लगा है।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली
और दमण-दीव एवं नई दिल्ली

असली आज़ादी

रविवार 12, जुलाई 2026,
दमण।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के कार्यकाल को एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश भाजपा लीगल सेल ने दी बधाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में सफलतम एक वर्ष का कार्य पूरा करने पर प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया को बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी के तहत आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा के प्रदेश लीगल सेल कन्वीनर संजय पटेल एवं अन्य अग्रणियों ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया को गुलदस्ता भेंटकर प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक साल का सफलतम कार्यकाल पूरा करने पर बधाई एवं अभिनंदन दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का सफलतम एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण करने पर संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया को डीडीए की टीम ने दी बधाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में सफलतम एक वर्ष का कार्य पूरा करने पर प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया को बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट लखम टंडेल और उनकी टीम ने दमण स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय पर पहुंचकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया से मुलाकात की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक साल कार्यकाल पूरा करने के उपलक्ष्य में बधाई दी।

डुंगरा पुलिस लाइन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने किया वृक्षारोपण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी, 11 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को डुंगरा पुलिस लाइन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न पौधे लगाए। कार्यक्रम में डीवाईएसपी बी. एन. दवे की विशेष उपस्थिति में पीआई बी. एन. गोहिल, पीएसआई आर. के. प्रजापति सहित डुंगरा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने पौधे लगाये। इस अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा मानव जीवन में पेड़ों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पौधों की नियमित देखभाल, संरक्षण और उन्हें विकसित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस परिवार के प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन पौधे लगाने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में विकसित होकर हरित वातावरण का निर्माण कर सकें। इसके अलावा पुलिस लाइन में जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता बनाए रखने तथा परिसर और भवनों के संरक्षण के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दमण कोर्ट ने विश्व जनसंख्या दिवस पर किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 11 जुलाई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेंबर सेक्रेटरी के मार्गदर्शन में दमण कोर्ट स्टाफ और एडवोकेट द्वारा आज विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। इस अवसर पर लोगों को विश्व जनसंख्या दिवस के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसके साथ ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में वकीलों, कोर्ट स्टाफ द्वारा पैम्पलेट वितरित किया गया और टोल फ्री नंबर 15100 के लिए प्रचार-प्रसार किया गया। उल्लेखनीय है कि विश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस 11 जुलाई को वैश्विक स्तर पर बढ़ती आबादी से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया गया है। वर्ष 2026 की थीम विश्व जनसंख्या दिवस की आधिकारिक थीम युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना - आज और भविष्य के लिए रखी गई है। यह विषय युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, संबंधों और परिवार नियोजन से जुड़े फैसलों को समझने और उन्हें सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 11 जुलाई। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल टोकरखाडा में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर एवं स्कूल प्रिंसिपल डॉ. मनीषाबेन पटेल प्रोग्राम की चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थीं। अपने प्रेरणादायक भाषण में उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बुरे असर के बारे में बताया और नशा-मुक्त समाज बनाने में हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी के महत्व को समझाया। कार्यक्रम की शुरुआत नशा-मुक्त शपथ से हुई, जिसमें स्टूडेंट्स और टीचर्स ने नशे से दूर रहने और दूसरों को नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं भी रखी गईं, जिसमें स्टूडेंट्स ने क्रिएटिव कामों के जरिए नशे के बुरे असर और नशा-मुक्त जीवन के संदेश को असरदार तरीके से पेश किया। इसके बाद स्कूल की तरफ से टोकरखाड़ा गांव में एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने गांव वालों को नशे से दूर रहने, हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने और समाज को नशा-मुक्त बनाने के लिए जागरूक करने के लिए अलग-अलग नारे लगाए। इसके अलावा, स्कूल के आसपास 100 गज के एरिया में दुकानदारों को भी तंबाकू और दूसरे नशीले पदार्थों की बिक्री से जुड़े कानूनी नियमों के बारे में बताया गया। पूरा प्रोग्राम एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर शैलेश पटेल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए स्कूल प्रिंसिपल, टीचर्स, एनएसएस वॉलंटियर्स और स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

दमण पुलिस ने हत्या के प्रयास और लूट के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 जुलाई। दमण पुलिस ने हत्या के प्रयास और लूट के एक सनसनीखेज मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर बडी सफलता हासिल की है। मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिकायतकर्ता सुधांशु शेखर रॉय (35), निवासी ए-टू फ्लैट नं. 102, स्वास्तिक संकुल बलिठा वापी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 6 अप्रैल 2024 की रात करीब 10:45 बजे नानी दमण के दाभेल मुख्य मार्ग स्थित शीतल पेट्रोल पंप के पास मौजूद था। इसी दौरान तीन अज्ञात बदमाशों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले उनकी आंखों में सफेद पाउडर फेंका और फिर मारपीट करते हुए उनकी छाती और पेट पर चाकू से कई वार किए। इसके बाद बदमाश पीडित के बैग से 52000 रुपये नकद, एक सैमसंग मोबाइल फोन, आधार कार्ड और एटीएम कार्ड लूटकर फरार हो गए। घटना के संबंध में कचीगाम पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 397, 34 तथा बाद में साजिश का खुलासा होने पर धारा 120-बी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने पहले विशाल गोविंद पटेल और प्रिंस कुमार केशारीलाल यादव को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की थी। पूछताछ में प्रिंस यादव ने खुलासा किया कि उसने अपने भाई आकाश केशारीलाल यादव के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद से आकाश यादव (23) लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। पुलिस अधीक्षक केतन बंसल के निर्देश तथा एसडीपीओ गुरु सेवक सिंह के पर्यवेक्षण में दाभेल थाना प्रभारी निलेश काटेकर के नेतृत्व में सात सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी जानकारी और सूचना के आधार पर टीम ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र में फरार आरोपी आकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस ने मामले में अन्य साक्ष्य जुटाने और पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को मजबूत करने के लिए आगे की जांच जारी है।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)